सिक्किम विश्वविद्यालय

क्रॉनिकल

भाग ३ , अंक २ | अगस्त 2015 | www.cus.ac.in

संपादकीय

एक बार फिर, यह एक और नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत है, हर किसी का विशेष रूप से नए छात्रों के स्वागत का समय है. देश भर से छात्रों के साथ हवा ताजा और इस संभावना से भरी लगती है. हम आशावाद के साथ नया सत्र शुरू कर रहे हैं और यह देखना बहुत अच्छा होगा कि आप में से हर एक विश्वविद्यालय समुदाय के साथ शामिल होने के लिए विशेष प्रयास करे और आप उन समृद्ध और पुरस्कृत अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं जो आपके लिए हैं. मुझे विश्वावस है कि पहले से मौजूद छात्रों का सेमेस्टर ब्रेक उत्पादक और आरामदायक रहा होगा. यह एक रोमांचक शैक्षिक वर्ष होगा कि इसमें कोई शक नहीं है.

विश्वविद्यालय २००७ में अपनी स्थापना के एक दशक पूरा करने में सिर्फ २ पीछे है. विकट चुनौतियों से जूझते हुए २ जुलाई को विश्वविद्यालय ने आठवें वर्ष में प्रवेश किया है और यह अंक ८ वें स्थापना दिवस समारोह की झलकियाँ लिए हुए है.

पन बिजली परियोजनाओं पर भारत में काफी बहस हुई है और आप संकाय कॉलम में छ्पा अपर तीस्ता कैचमेंट में पन बिजली बांधों पर डा विमल खवास का लेख नहीं छो□ना चाहेंगे.

भारत के स्वर्गीय पूर्व राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम के कई उद्धरण में से एक इस तरह हैरू

षविशेष रूप से युवा लोगों के लिए मेरा संदेश है कि, अलग ढंग से सोचने का साहस, आविष्कार करने साहस, नए मार्ग पर यात्रा करने का साहस, असंभव को खोजने और समस्याओं पर विजय पाने एवं सफल होने के लिए साहस रखो. ये वे महान गुण हैं जिस दिशा में उन्हें काम करना चाहिए. यह ष्युवा लोगों के लिए मेरा संदेश है

आशा है इस नए शैक्षणिक वर्ष में यह भावना हम सभी का स्वागत करे.और आओ हम किसी विद्वेष के बिना अच्छी इच्छ के साथ मिलकर काम करें. इस वर्ष भी हम अपने शैक्षिक परिदृश्य में कई और अधिक उल्लेखनीय परिवर्तनों के लिए तत्पर हैं.

जैस्मीन यिम्चुंगर

NMEICT (सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा के लिए राष्ट्रीय मिशन) जागरूकता पर कार्यशाला

(from left to right) Front row - Ms. Nilu Pradhan, Mr. Sayak Das, Ms. Varsha Rani Gajmer, Ms. Bhumika Boudyali. Second row Mr. Mingma Thundu Sherpa, Mr. Ranjan Kaushal Tirwa, Third row Ashish Kumar Singh were the participants from Sikkim University.

26–27 जून 2015 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम (एनआईटी, सिक्किम) द्वारा छडम्ब्ज जागरूकता पर एक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजित किया गया जिसे मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया था. माइक्रोबायोलॉजी विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय की ओर से सात पीएचडी स्कॉलर्स, – सुश्री वर्षा रानी गजमेर, सुश्री भूमिका पौड्याली, श्री रंजन कौशल तिर्वा, सुश्री नीलू प्रधान, श्री मिन्गमा थुंदु शेरपा, श्री आशीष कुमार सिंह और श्री सायक दास. ने इस कार्यशाला में भाग लिया कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ज्ञान बांटने के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के बारे में जागरूकता का प्रसार करना था.

यह कुशलतापूर्वक अपने मानव संसाधन का उपयोग करके एक ज्ञान सुपर शक्ति बनने के लिए भारत सरकार द्वारा की गई एक पहल है. छडम्ब्ज कार्यक्रम का मुख्य मिशन, बौद्धिक कमजोरी उन्मूलन, प्रतिभाओं की खोज और बढ़ावा देना, ज्ञान संसाधनों के सभी प्रकार के लिए प्रमाणीकृत और आसान पहुंच उपलब्ध कराना, डिजिटल पुस्तकालय के लिए मंच का निर्माण और वैज्ञानिक जिज्ञासा के साथ युवा मन की एक नई पीढ़ी तैयार करना है, जो संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति के लिए अच्छी तरह से अभ्यस्त हो जाए.

कार्यशाला के संरक्षक प्रो एबी समद्दर, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम, संयोजक डॉ अंजन कुमार रे और श्री एमएस आलम अंसारी और सह–संयोजक श्री पंकज कुमार केसरवानी और श्री स्वपन मन्ना थे.सिक्किम, असम, बंगाल और उड़ीसा के विभिन्न संस्थानों से 30 प्रतिभागी थे.

अपने व्याख्यान में, संरक्षक ने ऐसी कार्यशाला के महत्व पर चर्चा की और अपने मिशन पर जोर दिया. उन्होंने संचार प्रौद्योगिकी पर आज की समस्या के बारे में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात भी की. उन्होंने कहा कि यह संचार प्रौद्योगिकी का युग है और हमें इससे अच्छी तरह से वाकिफ होना चाहिए.

विशेष अतिथि व्याख्यान, इंटरैक्टिव सत्र, प्रस्तुतियाँ कार्यशाला के अन्य आकर्षण थे. प्रतिभागियों ने एनआईटी रावंगला परिसर में सुपर कम्प्यूटर भी देखा.

In This Issue

Editor's Note Page 1

Workshop On Nmeict Page 1

Inaugural Ceremony of Computer Laboratories Page 2

Seminars, Workshops and Conferences Page 2

Special lecture on Emotional Management Page 2

Natural Disasters and Hydro-Excitement in the Upper Teesta Catchment: A Serious Concern!

Workshop on "Holistic Personality Development of Students" Page 3

International Yoga Day Programme Organized by Sikkim University Page 4

A Glimpse of VIII Foundation Day of Sikkim University Page 4

Layout & Design by:
Dorjee Sherpa Pinasa
Department of Mass Communication

Mailing Address
suchronicle@cus.ac.in

A GLIMPSE OF VIII FOUNDATION DAY OF SIKKIM UNIVERSITY

Cont. on page 4

सेमिनार, कांफ्रेंस और कार्यशालाएँ

विमल किशोर, सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली और विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित और शांति एवं संघर्ष और प्रबंधन विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय, सिक्किम द्वारा जून 25–26, 2015 को आयोजितरू श्भारत के पूर्वोत्तर और परे रू चुनौतियां और अवसरष्ष पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पूर्वोत्तर क्षेत्र में भौतिक बुनियादी ढांचे के विकास रूएक मूल्यांकन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया.

जैस्मीन यिम्चुंगर, सहायक प्राध्यापक, जनसंचार विभाग ने मिजोरम विश्वविद्यालय के मास कम्युनिकेशन विभाग द्वारा जून 25–26, 2015 को 'मीडिया और मार्जिनलाइज्ड' विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में द इनविजिबल स्क्रीनः नागा यूथ परसेप्शन ऑफ इंडियन मेनस्ट्रीम मीडिया' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया.

समर सिन्हा, सहायक प्रोफेसर एवं समन्वयक, सीईएल, नेपाली विभाग ने फॉर्मल स्टडीज इन सिंटेक्स एंड सेमांटिक्स ऑफ इंडियन लैंग्वेजेज (FOSSSIL) द्वारा 24 मई से 6 जून 2015 को सोलंग घाटी, हिमाचल प्रदेश में आयोजित भारतीय पर्वत में 9वें भाषाविज्ञान स्प्रिंग स्कूल (LISSIM 8) में भाग लिया. LISSIM 9 का विषय निषेध और साधन था. उन्होंने 'नेपाली में निषेध और NPI' विषय पर अपने काम को प्रस्तुत किया.

बुद्धिमान तामंग, सहायक प्रोफेसर और कीर्ति घटानी, पीएचडी छात्र, माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने तीस्ता TORSA एग्रो केयर वेलफेयर सोसायटी, कलिमपोंग के सहयोग से वनस्पति विज्ञान विभाग, सेंट जोसेफ कॉलेज, दार्जिलिंग द्वारा 26–28 जून, 2015 को आयोजित पुष्प, जीव और माइक्रोबियल जैव विविधता पर प्रभाव और वैश्विक जलवायु परिवर्तनश यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'सिक्किम हिमालय में याक के किण्वित दूध उत्पादों की जैव सांस्कृतिक और माइक्रोबियल विविधता' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया.

सुजाता उपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, उद्यानिकी विभाग ने नेहू, शिलांग में 15–17 जून, 2015 के दौरान 'प्रिवेंशन ऑफ सब्सटांस (ड्रग्स) एब्यूज' विषय पर एक कार्यशाला में भाग लिया. वह मणिपुर राज्य में बच्चों के बीच मादक पदार्थों के सेवन की स्थिति के विश्लेषण के सत्र में मध्यस्थ थीं और श्री बसंत सिंह, आरआरटीसी, इम्फाल सत्र के वक्ता थे.

शोक सभा

वणिज्य विभाग ने 3 अगस्त को भारत के पूर्व माननीय राष्ट्रपति डा ए पी जे अब्दुल कलाम के दुखद निधन पर शोक सभा द्वारा विषम सेमेस्टर शुरू किया. डॉ एस एस महापात्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग ने सभा में स्वर्गीय डॉ कलाम का राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया और महानता के लिए उनके योगदान पर प्रकाश डाला. विभाग ने एम.कॉम और पीएचडी में दाखिल नए छात्रों के लिए अभिमुखी कार्यक्रम आयोजित किया.

बराद सदन में 7 जून को भावनात्मक प्रबंधन पर विशेष व्याख्यान

Mr. Pankaj Munjal, Head, PD Cell AIMT delivering interactive presentation on soft skills

Ms. Shivani Parihast Das delivering special lecture on Emotional Management

एनएसएस सेल ने 7 जून, 2015 को कार्यस्थल पर बेहतर दक्षता के लिए ष्भावनात्मक प्रबंधनष यानि भावनात्मक भागफल (म्फ) को कैसे बढाया जाए श्पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया.यह व्याख्यान सुश्री शिवानी परिषत दास, आम्रपाली फाउंडेशन, नोएडा, उत्तर प्रदेश के कॉर्पोरेट रणनीति प्रबंधक और स्वतंत्र कॉर्पोरेट ट्रेनर द्वारा दिया गया. माननीय कुलपति ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की.प्रो डी चौधरी, परीक्षा नियंत्रक, विभिन्न विभागों से संकाय सदस्यों और छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया.हमारे व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में भावनात्मक स्थिरता के महत्व को अध्यक्ष द्वारा समझाया गया. विभिन्न स्थितियों में भावनात्मक रूप से स्वयं से निपटने के तरीकों और साधनों पर चर्चा की गई.

उद्घाटन समारोह की रिपोर्ट

कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग ने 30 जुलाई 2015 को कंप्यूटर प्रयोगशालाओं के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया.

माननीय कुलपति, प्रो टी बी सुब्बा इस अवसर पर उपस्थित थे और श्री टी के कौल, रजिस्ट्रार, डॉ सुबीर एम, डीन भौतिक विज्ञान विद्यापीठ, श्रीमती चुन्नू खवास, विभाग प्रभारी और संकाय की उपस्थिति में उन्होंने प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया.

समारोह श्रीमती चुन्नू खवास द्वारा दिए गए एक स्वागत वक्तव्य के साथ शुरू हुआ. इसके बाद माननीय कुलपति प्रो टीबी सुब्बा, श्री टी के कौल, रजिस्ट्रार और डॉ सुबीर एम, डीन शारीरिक विज्ञान द्वारा उद्घाटन फ्रेम का उद्घाटन किया गया. तब सभी 3 कंप्यूटर प्रयोगशालाओं और 1 हार्डवेयर प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया.

कंप्यूटर प्रयोगशालाओ में (40 कार्यस्थानों सहित) 3 सर्वर, प्रत्येक प्रयोगशालाके लिए 3 ऑनलाइन यूपीएस, लैन कनेक्टिविटी के लिए और लैब्स वाईफाई सक्षम रहे कुल 70 डेस्कटॉप कंप्यूटर के साथ लैस हैं.हार्डवेयर प्रयोगशाला के उपकरणों में निम्न शामिल हैं रू एनालॉग और डिजिटल ट्रेनर किट, रास्पबेरी पाई, अर्दुइनो, एक्चुएटर, 8085 किट, विभिन्न सेंसर और डिजिटल लॉजिक गेट्स.

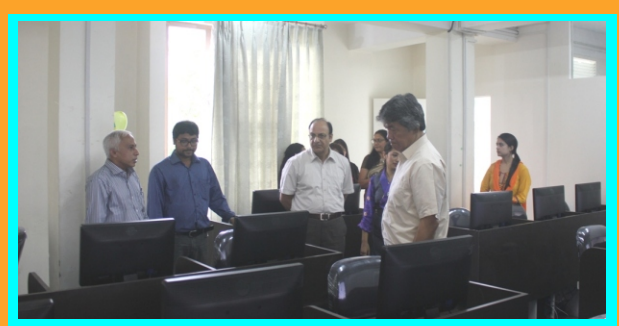

प्राकृतिक आपदाएँ और ऊपरी तीस्ता कैचमेंट में हाइड्रो–उत्साहरू एक गंभीर चिंता का विषय

डॉ विमल खवास
सहायक प्राध्यापक,
भूगोल विभाग

बाउन्ड्री तीस्ता बेसिन पूर्वी हिमालय में बड़ा ब्रह्मपुत्र बेसिन का एक हिस्सा है. नदी लगभग 12,159 वर्ग किमी के कुल भौगोलिक क्षेत्र में बहती है. बेसिन के 2004 वर्ग किमी के आसपास (लगभग 17 प्रतिशत) क्षेत्र बांग्लादेश में होने के साथ शेष भारत में है. हाल के दिनों में, तीस्ता बेसिन में पारंपरिक सहजीवी और अंतरंग मानव पर्यावरण संबंध तेजी से विकास के विविध अंतर्धारा द्वारा खतरे डाल दिया है.इस से पर्यावरण और विभिन्न पारिस्थितिक प्रणालियों में में असंतुलन हुआ है. कृषि और सिंचाई, सड़क और इमारतों और अनियोजित शहरीकरण की अवैज्ञानिक निर्माण के अनुचित विस्तार सहित विकास के अन्य रूपों के अलावा, मध्य और भारत के प्रांतीय सरकारों को विशेष रूप से बेसिन के सिक्किम–दार्जिलिंग जलग्रहण भीतर जल विद्युत परियोजनाओं की श्रृंखला के साथ जोरदार तरीके से चल रहे हैं.

चालक क्षेत्र में प्रस्तावित मेगा जल विद्युत परियोजनाओं को 2003 में शुरू की 50000 मेगावाट पनबिजली की पहल के माध्यम से भंडारण की एक और 200 अरब घन मीटर बनाने के लिए बांध निर्माण की भारत सरकार के कार्यक्रम का हिस्सा हैं. तीस्ता और इसके कई बारहमासी सहायक नदियों के विशाल अप्रयुक्त पनबिजली क्षमता को ध्यान में रखते हुए केन्द्र और प्रांतीय सरकारों, सार्वजनिक निजी या संयुक्त क्षेत्र के माध्यम से पूंजी निवेश के प्रवाह को जुटाने के लिए बहुत बड़ा अवसर देखते हैं.

इसलिए, कई मेगा परियोजनाओं के अलावा विभिन्न छोटे, लघु और सूक्ष्म जल विद्युत परियोजनाओं को पिछले डेढ़ दशकों में एनएचपीसी, एनटीपीसी और निजी डेवलपर्स को दिया गया है.इन परियोजनाओं से, सिक्किम और पश्चिम बंगाल की राज्य सरकारों मुफ्त बिजली का 12 प्रतिशत मिलेगा. कथित तौर पर, सिक्किम राज्य के भीतर बेसिन के शविशाल पनबिजली क्षमताश में दोहन द्वारा प्रतिवर्ष लगभग रु. 2000 करोड़ के उत्पादन की उम्मीद है. देश की वृद्धि और विकास में योगदान करने के अलावा, सिक्किम अर्जित राजस्व के साथ एक समृद्ध सिक्किम का भविष्य देखता है.

हालांकि, सिक्किम में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों को आवंटित मेगा परियोजनाओं की संख्या 2007 में 27 के आसपास से घटकर 2015 में 16 हो गई है. सरकार द्वारा उद्धृत महत्वपूर्ण कारणों में महत्वपूर्ण सामाजिक, पर्यावरण, भूवैज्ञानिक और वित्तीय चिंताएं शामिल हैं. कथित तौर पर, सितंबर 2011 के सिक्किम–नेपाल भूकंप ने सिक्किम हिमालय में पनबिजली परियोजनाओं की खासी संख्या को नीचे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. सरकारी दस्तावेजों में दर्ज आंकड़ों के अनुसार चल रही मेगा परियोजनाओं की संख्या 2010 में लगभग 25 से नीचे घटकर 2012 तक 18 के हो गई. तदनुसार, सिक्किम हिमालय की पहचान की पनबिजली क्षमता केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए, 2014) के हाल ही के पुनर्मूल्यांकन के अध्ययन के अनुसार लगभग 5200 मेगावाट से अधिक से कम 4200 मेगावाट किया गया है. दार्जिलिंग क्षेत्र में, तीन मेगा में से एक (ज्क्स्च् तृतीय) पहले से ही कमीशंड किया गया. अन्य निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं. इसके अलावा, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने हाल ही में तीस्ता बेसिन के दार्जिलिंग क्षेत्र में चार और परियोजनाओं की घोषणा की है. नतीजतन, सिक्किम–दार्जिलिंग जलग्रहण से अब अगले कुछ दशकों के भीतर बिजली की 6000 मेगावॉट से अधिक उत्पादन की उम्मीद है.

इस समय सबसे बड़ी चिंता इस नाजुक क्षेत्र और उसके पड़ोस में क्षेत्रीय पर्यावरण सुरक्षा पर इस तरह के विशाल विकास के उपक्रम के विभिन्न प्रभाव हैं. हाल ही में विवर्तनिक घटनाओं सिक्किम (2011) और नेपाल (2015) और फलस्वरूप आपदाओं ने इस क्षेत्र में मेगा पनबिजली बांधों के विचार और भविष्य को चुनौती दी है. इसकी या तो अनदेखी की गई या संबंधित ईआईए रिपोर्ट से उनके प्रभावों को कमतर दिखाया गया लगता है.

भूकंप

चिंताएं हैं कि पन बांधों को बनाना इस भौगोलिक युवा और भूकंपीय दृष्टि से सक्रिय क्षेत्र में नदी–प्रेरित सिस्मीसिटी को जन्म दे सकती हैं. बेसिन के दार्जिलिंग–सिक्किम जलग्रहण भारतीय भूकंपीय जोनिंग मैप के उच्च जोखिम वाले भूकंपीय जोन चतुर्थ में स्थित है और इसलिए ऐतिहासिक समय में सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र रहे थे. हाल ही में प्रमुख भूकंपो – नेपाल (अप्रैल 2015) और सिक्किम (सितम्बर 2011) परिमाण में 7.8 और 6.8 ने स्पष्ट रूप से भूकंप आपदा के संबंध में क्षेत्र की स्थिति को उजागर किया है. नेपाल के 25 अप्रैल 2015 के भूकंप और उसके बाद श्रृंखलाबद्ध झटकों ने नेपाल भर में लगभग कथित तौर पर 14 जल विद्युत संयंत्रों क्षतिग्रस्त कर दिया है जिसके परिणामस्वरूप बिजली की 150 मेगावाट (मेगावाट) का नुकसान हुआ है. इस संबंध में सुन्कोशी पनबिजली संयंत्र को जाहिरा तौर पर कई लीकेज से अपने 3 किमी नहर के साथ गंभीर नुकसान उठाना पड़ा है.क्षेत्र में पर्यावरणविदों, कार्यकर्ताओं और शोधकर्ताओं ने लंबे समय से ऊपरी तीस्ता कैचमेंट में कई मेगा बांध परियोजनाओं के निर्माणों के खिलाफ चेतावनी देते रहे हैं.

मेगा पन बांधों के साथ युग्मित कमजोर भूविज्ञान भूकंप और उसके एवज में भूस्खलन उत्पन्न कर सकता है और परिणाम स्वरुप अचानक आई बाढ़ से एक आपदा ला सकता है. केंद्र सरकार, प्रांतीय सरकारों और पनबिजली कंपनियां, हालांकि, भूकंप के डर के रूप में संबंधित चिंताओं को खारिज कर सकते हैं. फिर भी, भूकंप की स्थिति में आपदा प्रबंधन के लिए एक आपात योजना क्षेत्र में लगभग सभी जल परियोजनाओं के लिए एक दूर की बात हो रही है! दुनिया भर में विद्वानों ने भूकंप के झटकों के तहत बांधों के विभिन्न प्रकार के प्रदर्शन के बारे में बताया है. उनके ध्ययन दिखाते हैं कि कंक्रीट बांधो पर गंभीर दरारें, जो□ों का खुलना या हिलना बांध को बेकार कर सकता है या उसमे बड़ी मरम्मत की आवश्यकता हो सकती है.

भूस्खलन

इसके साथ ही ध्यान दिया जाए कि तीस्ता बेसिन के सिक्किम–दार्जिलिंग खंड में एक विशेषता सक्रिय और निष्क्रिय भूस्खलन है.भूस्खलन आँकड़ों पर एक सरसरी नजर हमें हुए नुकसान की गंभीरता और इस क्षेत्र में जीवन और संपत्ति पर लगातार–मौजूद खतरे का एक डरावना विचार देता है. पिछले एक सदी में, 10000 से अधिक स्लाइड अकेले दार्जिलिंग क्षेत्र में दर्ज की गई हैं. हजारों जानें गईं और बेसिन के समग्र आर्थिक विकास पर नकारात्मक असर पड़ा. 30 जून और 01 जुलाई 2015 को भारी और अचानक बारिश से दार्जिलिंग हिमालय भर में हुए भूस्खलनों से 40 से अधिक लोगों को मौत हो गई. प्रफुल्ल राव, अध्यक्ष, सेव हिल्स, के अनुसार, श्कलिम्पोंग में लगभग 20रू00 बजे जोरदार बारिश शुरू हुई. मैंने देखा कि हमारे ऊपर बादल बन रहे थे और स्थिर थे जैसे कि 2013 में उत्तराखंड में थे.कलिम्पोंग में 06 घंटे में पूरे जुलाई माह की औसत वर्षा (548. 7मिमी) का लगभग आधा (226 मिमी) बारिश हुई. साथ में, हाल ही में भूस्खलन से प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए दार्जिलिंग के लोगों की एक पहल ने दार्जिलिंग, भूस्खलन के प्रभावों पर निम्न प्रारंभिक आंकड़े रखा गया हैरू गांव प्रभावितरू 165, लोग प्रभावित रू 94,797, मकान क्षतिग्रस्तरू 1907, राहत शिविर में लोग रू 2360. जिला प्रशासन की प्रारंभिक रिपोर्ट में दार्जिलिंग क्षेत्र में भारतीय रुपये में 12 करोड़ रुपए की संपत्ति के नुकसान का आकलन किया गया है.

वाडिया इंस्टीट्यूट ऑ□ हिमालय जियोलॉजी, देहरादून के के हाल के एक अध्ययन के अनुसार, सिक्किम भूकंप (2011) ने सिक्किम, दार्जिलिंग, नेपाल, तिब्बत और भूटान हिमालय में कई सौ भूस्खलन शुरू किए.भारतीय क्षेत्र में, भूकंप के कारण भूस्खलन के रूप में भूकंप क्षेत्र से 100 किमी दूर सूचित किए गए है.सिक्किम के भीतर, अध्ययन ने भूकंप के बाद की अवधि में 350 से अधिक नए भूस्खलनों की सूचना दी.

विशेष रूप से, बांध से पानी बाड़े में बन्द करने के बाद क्षेत्र में पानी का स्तर काफी बढ़ जाता है. परिणाम–स्वरुप के रूप में, ढलान जन की ताकत मानकों को कमजोर और यह नई भूस्खलन और पहले से ही सक्रिय स्लाइड के आगे अस्थिरता को ट्रिगर इस प्रकार अस्थिरता के लिए अतिसंवेदनशील हो सकता है.

नदी कटाव

सभी हिमालयी नदियों में तीस्ता में कथित तौर पर उच्चतम तलछट उपज है.कटाव और अवसादन के प्रभाव नदी स्थानांतरण करने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं. कोसी नदी पिछले दो शताब्दियों के दौरान पश्चिम में लगभग 150 किलोमीटर दूर स्थानांतरित हो गई है. हंटर के बंगाल के सांख्यिकीय खाते के अनुसार, तीस्ता मूल रूप से गंगा बेसिन की एक नदी थी.1787 में, बारिश लगातार होने के बाद भारी बाढ़ और विनाशकारी भूकंप के कारण, तीस्ता ब्रह्मपुत्र बेसिन में स्थानांतरित हो गई.यदि इस तरह अचानक नदीयों का कब्जा आज होता है, तो हजारों गांवों अचानक आई बाढ़ में बह जाएगे और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरे के साथ बेहिसाब मानव और पर्यावरण असुरक्षा पैदा होगी.

पहले से ही पहाड़ के अदूरदर्शी विकास की लागत का सामना कर रहे क्षेत्र के लिए यह कोई अच्छी खबर नहीं है.

बराद सदन में 6 जून को 'छात्रों के समग्र व्यक्तित्व विकास' विषय पर कार्यशाला

एनएसएस सेल द्वारा 6 जून, 2015 को ष्छात्रों के समग्र व्यक्तित्व विकास शविषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई.एक्यूरेट इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश से श्री पंकज मुंजाल, प्रमुख, व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ औरश्री रिपुदमन गौर, एसोसिएट प्रोफेसर और छात्र मामलों के डीन ने नरम कौशल, कठिन कौशल और नकली ड्रिल पर सत्र संचालित किए.प्रतिभागियों में विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक विभागों से विश्वविद्यालय के स्नातक छात्र थे. विभिन्न स्तर, सामाजिक कंडीशनिंग और गलत विश्वासों की पहचान और प्राकृतिक स्वीकृति के आधार पर उनकी वैधता प्राप्त करने के लिए कार्यक्रम और कम से वास्तविकता और भ्रम के बीच अंतर करने के लिए हमें सक्षम करने के लिए हमारे जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में मूल्य आधारित सही समझ पर विचार विमर्श किया गया है समाज के निर्माण, प्रेरक मामले के अध्ययन के लिए एक उद्यमी भूमिका संभालने, विपणन में सभी स्तरों पर सद्भाव के लिए अग्रणी बुनियादी मानवीय आकांक्षाओं, व्यवहार परिवर्तन, मूल्यों और नैतिकता को पूरा करना आदि.

सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम

Representation of SU NSS Team at Govt. of Sikkim Programme at Paljor Stadium

एनएसएस सेल, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक द्वारा 21 जून, 2015 को 10.00 बजे से 12.30 बजे तक तीस्ता बॉयज हॉस्टल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया. माननीय कुलपति प्रो टीबी सुब्बा ने समारोह की अध्यक्षता की. संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ कार्यक्रम समन्वयक और कार्यक्रम अधिकारीयों ने कार्यक्रम में भाग लिया. आर्ट ऑफ लिविंग, तादोंग, गंगटोक से श्री राज शर्मा ने एक बेहतर जीवन, सद्भाव और शांति के लिए योग पर एक व्याख्यान दिया और प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करने के लिए योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योग आसन और प्राणायाम का प्रदर्शन किया. माननीय कुलपति, सिक्किम विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय सदस्यों विशेष रूप से छात्रों को नियमित रूप से योग का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया. प्रतिभागियों को जानकारी और मार्गदर्शन के लिए कार्यक्रम स्थल हॉल में फोटो और निर्देश सहित विभिन्न योग आसनों पर पोस्टर प्रदर्शित किए गए. विश्वविद्यालय के छात्र स्वयंसेवकों, एनएसएस अधिकारियों और संकाय सदस्यों ने राज्य सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पालजोर स्टेडियम, गंगटोक में आयोजित कार्यक्रम में भी भाग लिया. छात्र स्वयंसेवकों ने 14 जून को पालजोर स्टेडियम और 20 जून को तीस्ता हॉस्टल में श्री राज शर्मा के प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया. एनएसएस सेल राज्य स्वस्थ्य विभाग के माध्यम से प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए आयुष के मंत्रालय द्वारा जारी योग पर सीडी जिसमे विभिन्न योग आसनों पर वीडियो है, को विश्वविद्यालय के अकादमिक और प्रशासनिक विभागों को वितरित करेगा.

Invited resource person, Mr. Raj Sharma addressing the audience at SU

Participants performing Parvat Aasan during IYD programme at SU

Participants performing Dhanur Aasan during IYD programme at SU

A GLIMPSE OF VIII FOUNDATION DAY OF SIKKIM UNIVERSITY On 2nd July, 2015